अलेक्जेंडर
ग्राहम बेल
एम्मा फिश

अलेक्जेंडर ग्राहम बेल
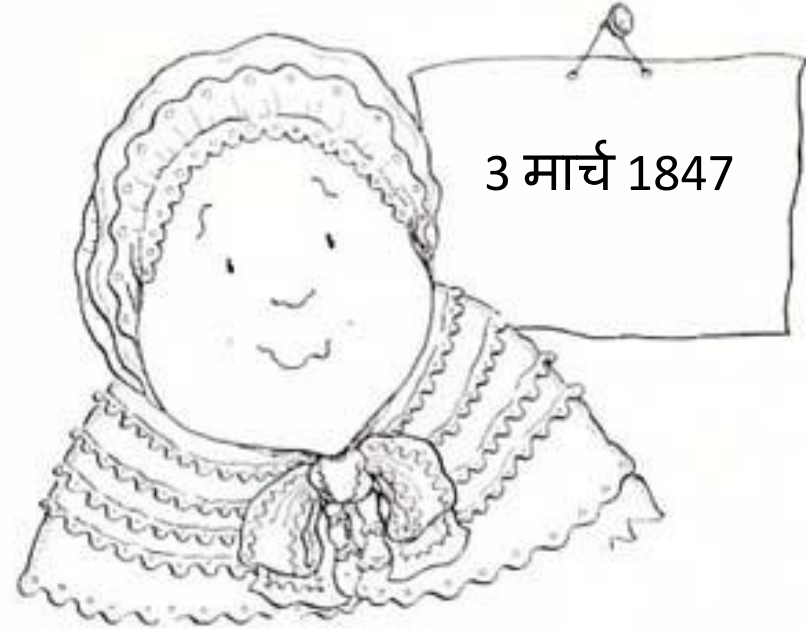
"वो एक सुंदर बच्चा है!" डॉक्टर ने कहा.

उसके माता-पिता ने उसका नाम अलेक्जेंडर रखा, ठीक उसके पिता और उसके दादाजी के नाम के ऊपर.

"जल्दी करो! सबको ख़ुशी की खबर बताओ!" अलेक्ज़ेंडर के पिता ने कहा.

लेकिन उस समय लोगों तक खबर पहुँचाने का एकमात्र तरीका बहुत धीमा था.

अधिकांश चिट्ठियां ट्रेन से जाती थीं, लेकिन ट्रेनें भी धीमी थीं.
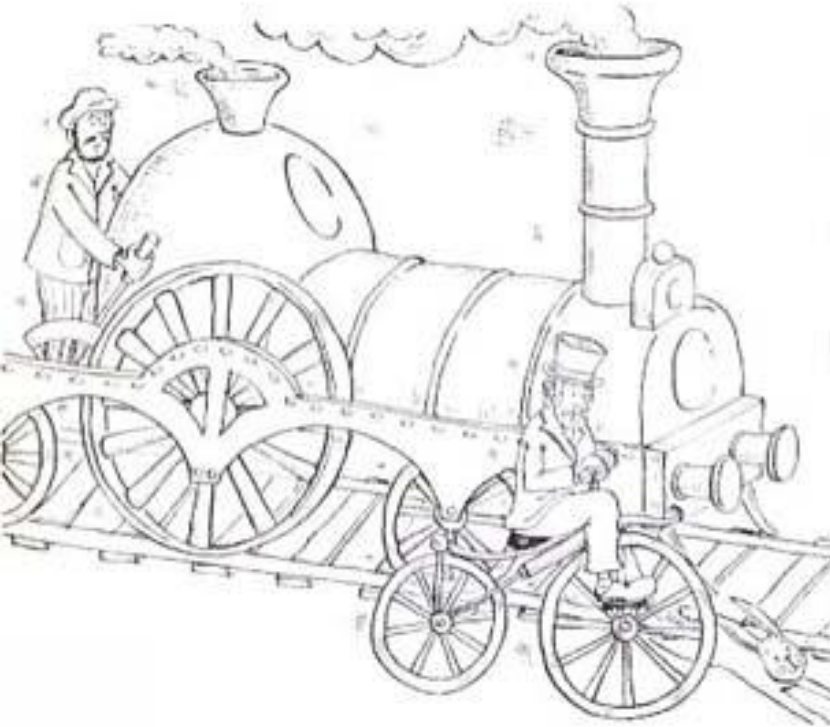
उस समय न कारें थी, और न ही फोन ...

... फिर वो बच्चा बड़ा हुआ और उसने फोन का आविष्कार किया.

अलेक्जेंडर हमेशा आविष्कार करता रहता था. सबसे पहले उसने अपने लिए एक लंबे नाम का आविष्कार किया.

"अलेक्जेंडर बेल बहुत छोटा नाम है!" उसने कहा.

उसने संदेश भेजने का एक विशेष तरीका भी ईजाद किया.

अलेक्जेंडर अपने दो भाइयों, मेलविल और एडवर्ड के साथ स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में बड़ा हुआ. उसकी माँ बहरी थीं, लेकिन पिता बहरे नहीं थे.

लेकिन पिता काफी सख्त थे.

अलेक्जेंडर के दादा एक शिक्षक थे. अलेक्जेंडर के पिता भी एक शिक्षक थे.

"अब तुम सोलह वर्ष के हो, अलेक्जेंडर. तुम क्या बनना चाहते हो?" पिताजी ने पूछा.

"क्यों! एक शिक्षक!" अलेक्जेंडर ने कहा.

अलेक्जेंडर के पिता ने उन लोगों को पढ़ाया था जिन्हें बोलने में कठिनाई होती थी. उनमें से कुछ हकलाते भी थे लेकिन उनमें से ज्यादातर बहरे थे.

अलेक्जेंडर ने बहुत सारे स्कूलों में पढ़ाया. वो अपने पाठों को काफी मज़ेदार बनाता था.

सिक्स शाइनी सिक्सपेन्स

S गुदगुदी करता है.

अपने पिता की तरह ही अलेक्जेंडर ने बच्चों को यह महसूस करने और देखने में मदद की कि ध्वनियाँ कैसे बनाई जाती थीं. उसने बच्चों के लिए बोलना सीखना आसान बनाया.

फिर कुछ बहुत ही दुखद हुआ. जब अलेक्जेंडर तेईस वर्ष का था, तब उसके दोनों भाइयों की तपेदिक (टीबी) नामक बीमारी से मृत्यु हो गई.

आज ऐसी दवाएं हैं जो उस मर्ज़ का इलाज कर सकती हैं. लेकिन तब वो दवाइयां नहीं थीं.

"हम कनाडा चले जाएँगे," अलेक्जेंडर के पिता ने कहा. "वहां की ताजी हवा तुम्हें बीमार होने से रोकेगी."

उन्हें कनाडा पहुंचने में कई सप्ताह लगे.
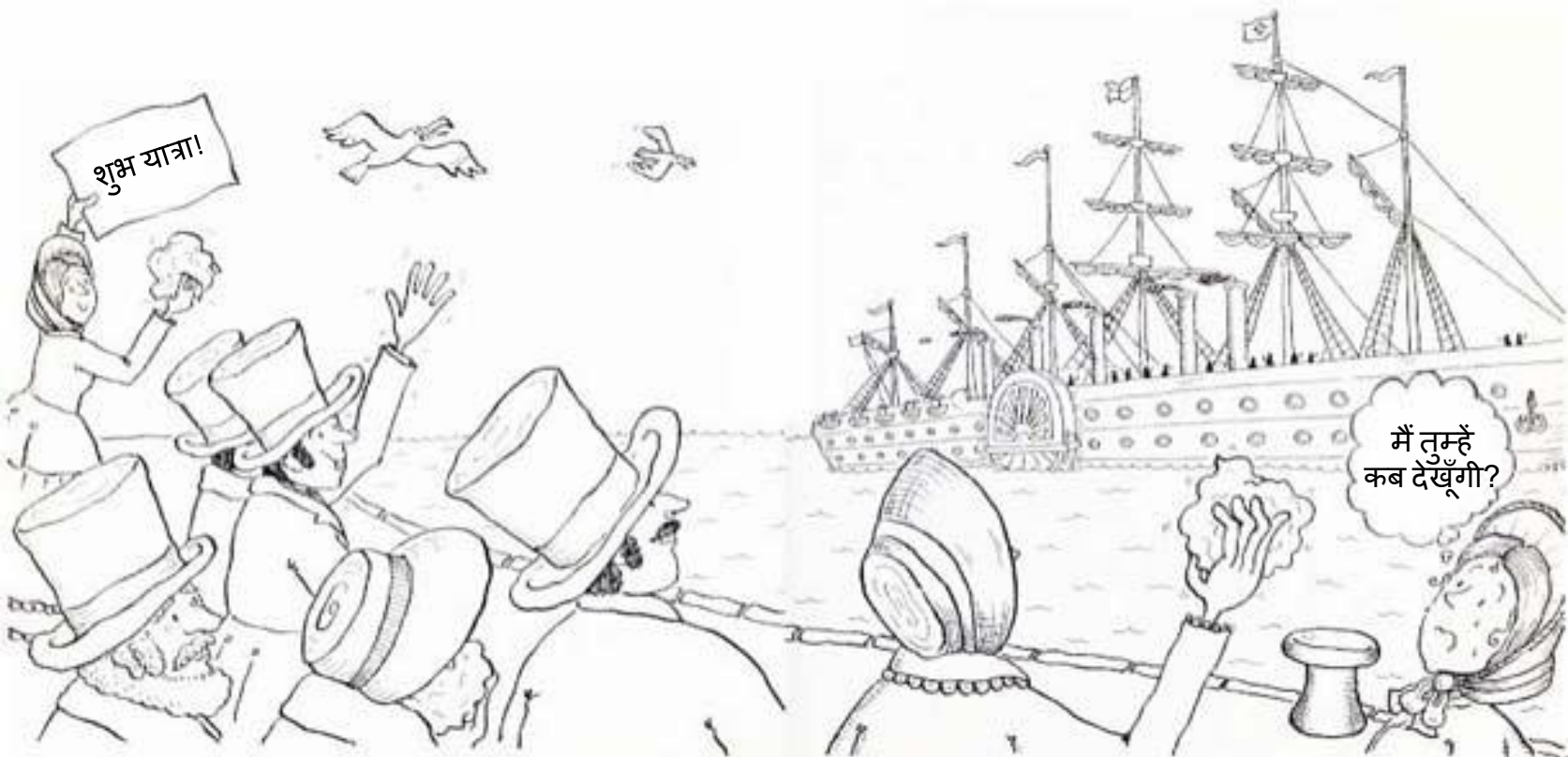
स्कॉटलैंड में अलेक्जेंडर और उसके पिता ने बधिर लोगों की मदद करने के लिए कुछ विशेष चित्र बनाए. चित्रों ने शब्द बोलते समय लोगों को अपने मुंह का सही आकार बनाने में मदद की.
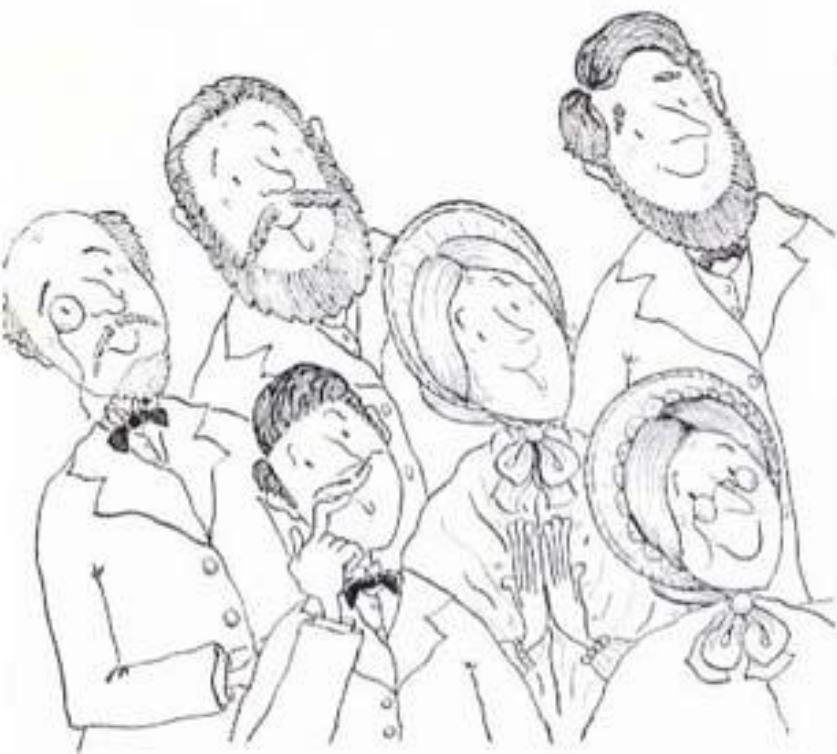
कनाडा में लोगों को वो चित्र बहुत काम के लगे. उनमें से एक व्यक्ति को वे चित्र बहुत पसंद आए. उसने अलेक्जेंडर को अमेरिका में अपने स्कूल में आकर पढ़ाने को कहा.

जल्द ही अमेरिकी में कई महत्वपूर्ण लोगों ने अलेक्जेंडर के बारे में सुना.

फिर उन्हें बोस्टन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनाया गया.

अलेक्जेंडर ने माबेल हबर्ड नाम की एक लड़की को भी बोलना सिखाना शुरू किया. माबेल पंद्रह साल की थी और वह चार साल की उम्र से ही बहरी थी.

इस समय तक अलेक्जेंडर छब्बीस साल के हो चुके थे. शुरू में माबेल ने अलेक्जेंडर को ज्यादा पसंद नहीं किया लेकिन बाद में उसने अपना मन बदल लिया.

संदेश भेजने का एक नया तरीका तभी शुरू हुआ था. इसे टेलीग्राम कहा जाता था.

संदेशों को डॉट्स और डैश के कोड द्वारा, तारों के ज़रिए भेजा जाता था. बस एक ही मुसीबत थी - लम्बे संदेश भेजने में बहुत देर लगती थी.

अलेक्जेंडर को लगा कि संदेशों को तेज़ी से भेजने का कोई तरीका ज़रूर होना चाहिए.

अलेक्जेंडर सारे दिन पढ़ाता था, फिर रात भर अपने नए विचारों पर काम करता था. उसे न तो ज्यादा नींद आती थी और न ही ज्यादा पैसे मिलते थे.

रात के खाने के पैसे?

"मैं तुम्हारी मदद करूँगा," माबेल के पिता ने कहा. "जब तुम्हारा काम धंधा चलने लगे तो तुम मुझे पैसे लौटा देना."

माबेल के पिता बहुत अमीर थे. उन्हें उम्मीद थी कि अलेक्जेंडर का विचार उन्हें और भी अमीर बना देगा.

अब अलेक्जेंडर काम करने के लिए एक कमरे का खर्च उठा सकता था. लेकिन उसे अभी भी एक सहायक की जरूरत थी. अंत में उसे एक आदमी मिला.

दोनों मिलकर अलेक्जेंडर की नई मशीन पर, पूरे समय काम करते थे.

फिर एक दिन सब कुछ जाम हो गया.

"रुको," थॉमस ने कहा. "मैं इसे खोल दूंगा."

ट्वैंग!
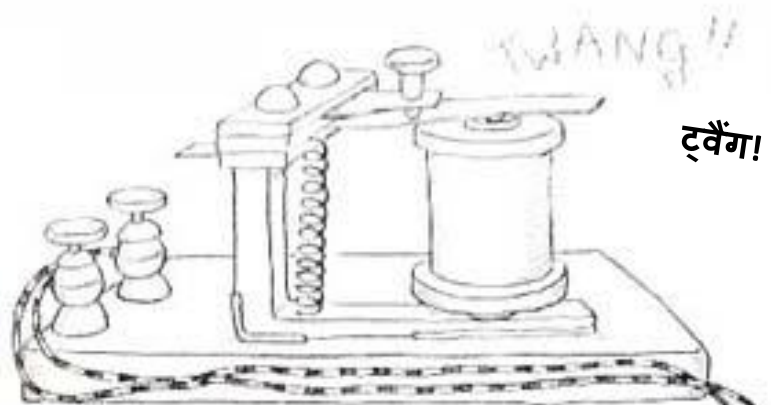
ट्वैंग! थॉमस के अंत से मशीन में से आवाज़ आई.

ट्वैंग!
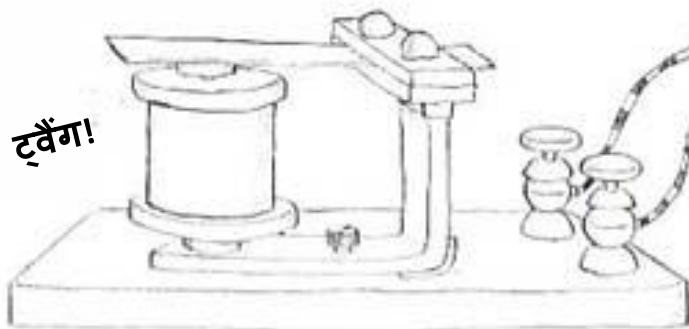
ट्वैंग! एक क्षण बाद अलेक्जेंडर के मशीन वाले अंत से भी आवाज़ आई.

ट्वैंग! की आवाज़ सुनकर अलेक्जेंडर के दिमाग में एक शानदार विचार आया.

वो शानदार विचार अंत में टेलीफोन बना.

पर उससे पहले उसे अभी और बहुत काम करना बाकी था.

मावेल के पिता अलेक्जेंडर पर गुस्सा हुए.

"तुम तेजी से टेलीग्राम भेजने वाले अपने विचार पर काम करो," उन्होंने कहा. "तारों के ज़रिए बोलना वाला विचार मूर्खतापूर्ण है."

लेकिन सभी ऐसा नहीं सोचते थे. वास्तव में शिकागो में एलीशा ग्रे नामक एक आदमी इसी विचार पर काम कर रहा था. जिसका भी अविष्कार पहले काम करता वो अपार दौलत कमाता.

दौड़ जारी थी!

परेशानी यह थी कि चीजें गलत होती रहीं.
दो औंस घी लो.
अंत में उनका काम ठीक हुआ.
मिस्टर वाटसन यहां आएं. मैं आपसे मिलना चाहता हूँ.
मैं सुन रहा हूं! मैं सुन रहा हूं!
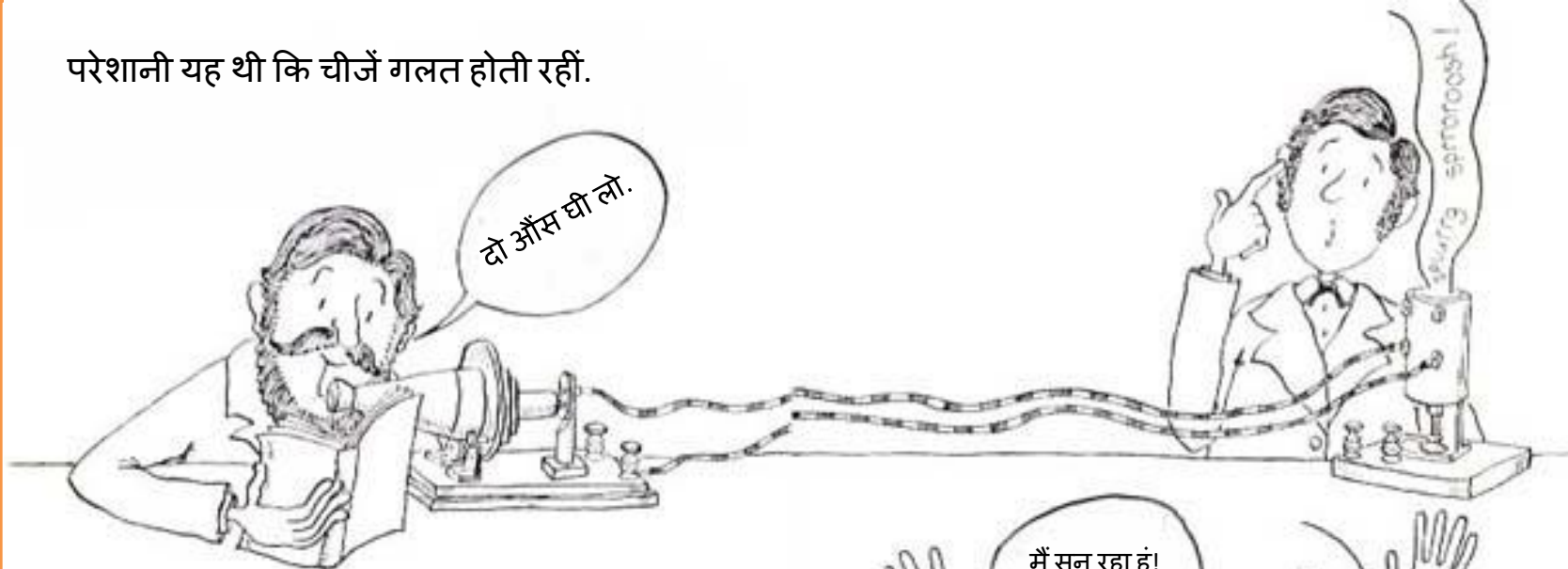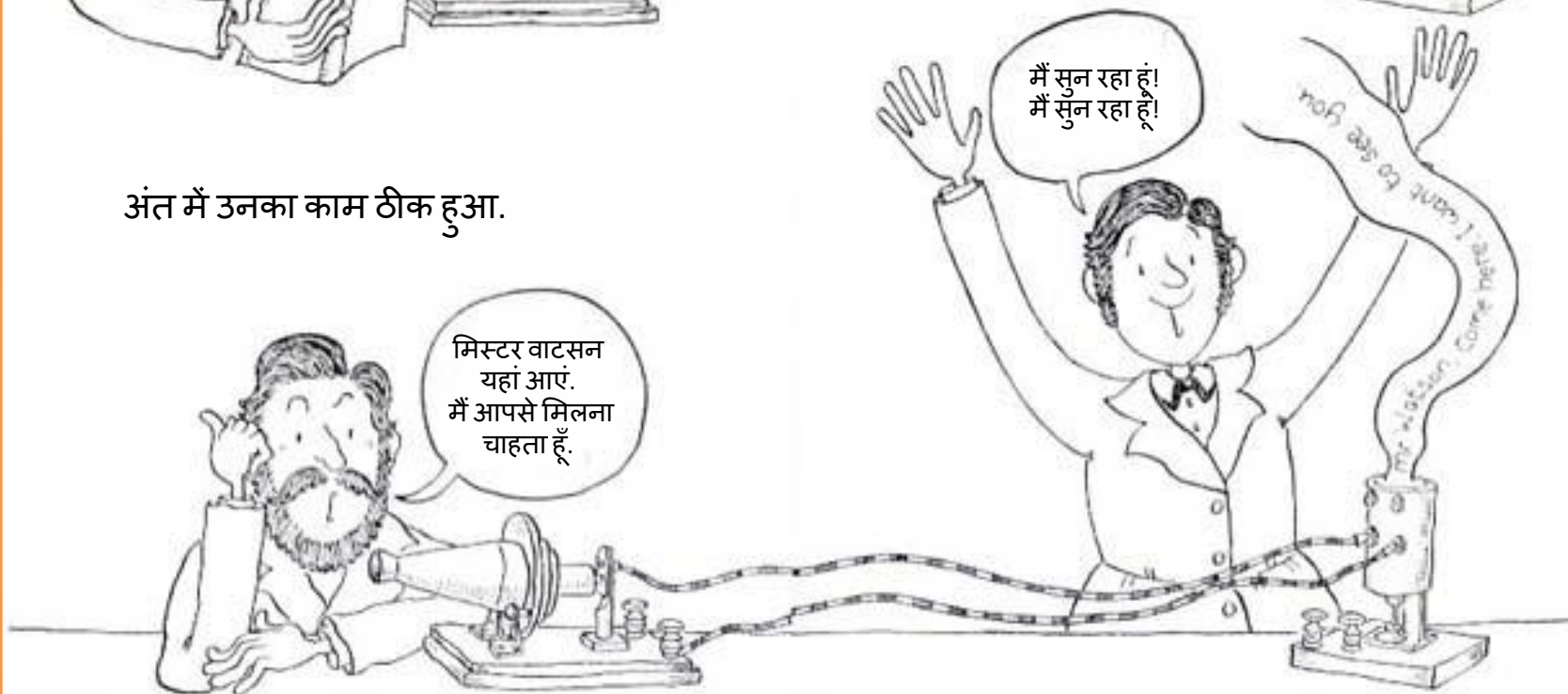
लेकिन वो एक बड़ा काम था.

एलीशा ग्रे ने सोचा कि उसने उस विचार का आविष्कार किया था. पर अलेक्जेंडर ने जोर देकर कहा कि मूल विचार उसका था.

फिर कुछ महत्वपूर्ण लोगों ने उनके सारे काम को जांचा-परखा. उन्होंने जल्द ही फैसला दिया.

"हम घोषणा करते हैं, 1876 में, अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ही टेलीफोन के आविष्कारक हैं," उन्होंने कहा.

अलेक्जेंडर ने फिलाडेल्फिया की एक बड़ी प्रदर्शनी में अपना नया आविष्कार दिखाया.

ब्राजील के सम्राट ने इसे आजमाया. "मैं सुन रहा हूं, सुन रहा हूं!" सम्राट चिल्लाए.

अलेक्जेंडर का टेलीफोन बहुत हिट हुआ!

हालांकि शुरू में कई लोगों को यह एक अच्छा विचार नहीं लगा था.

शुरू के फोन बहुत बड़े और उपयोग में काफी मुश्किल थे. प्रत्येक फ़ोन केवल एक दूसरे फ़ोन की ही घंटी बजा सकता था.

टेलीफोन के तार सड़क पर बिखर गए. हर टेलीफोन का अपना अलग तार होता था. सारे तार जमीन से ऊपर हवा में लटके होते थे.

लेकिन फोन जल्दी ही बेहतर हुए और तमाम लोगों ने उन्हें खरीदा.

उससे अलेक्जेंडर अमीर बन गया और साथ में माबेल के पिता और भी अमीर बन गए.

अलेक्जेंडर और माबेल ने शादी की. उन्हें अपने हनीमून के लिए यूरोप आने का निमंत्रण मिला.

Victoria Regina

बकिंघम पैलेस से महारानी विक्टोरिया,

प्रिय मिस्टर बेल,

आपके चतुर छोटे आविष्कार को देखने में हमारी बहुत अधिक रुचि है. कृपया चाय पर आएं और अपने अविष्कार को अपने साथ लाएं.

मैडम आपका धन्यवाद.

एक चम्मच या दो, मिस्टर बेल?
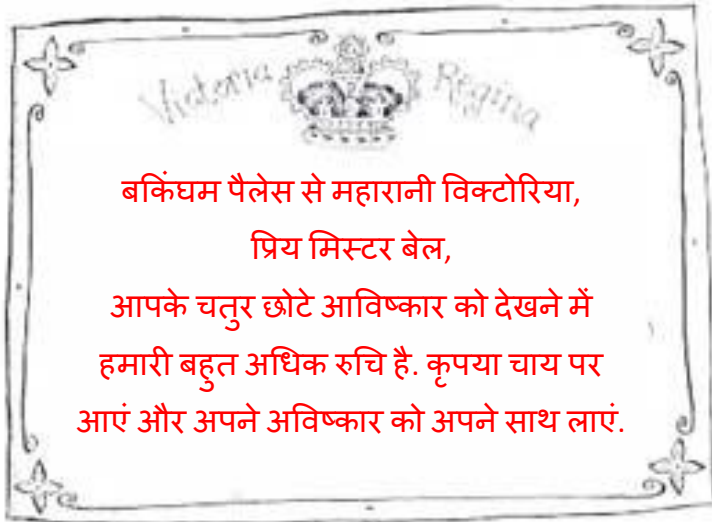
अलेक्जेंडर को अपने नए आविष्कार के लिए पदक और पुरस्कार मिले, और उससे भी अधिक उसे धन मिला. उन्होंने इसमें से बहुत कुछ दान में दिया.

उन्होंने स्कॉटलैंड में बधिर (बहरे) बच्चों के लिए एक स्कूल की स्थापना की.

बधिरों के लिए ग्रीनॉक स्कूल.

उन्होंने आविष्कारकों और वैज्ञानिकों के काम करने के लिए विशेष प्रयोगशालाएं स्थापित कीं.

मेरे मुकाबले अब अन्य आविष्कारकों के पास काम करने के बेहतर स्थान होंगे!

अलेक्जेंडर ने कभी भी नए विचार सोचना बंद नहीं किए.

कुछ उड़ने वाले थे.

कुछ तैरने वाले थे.
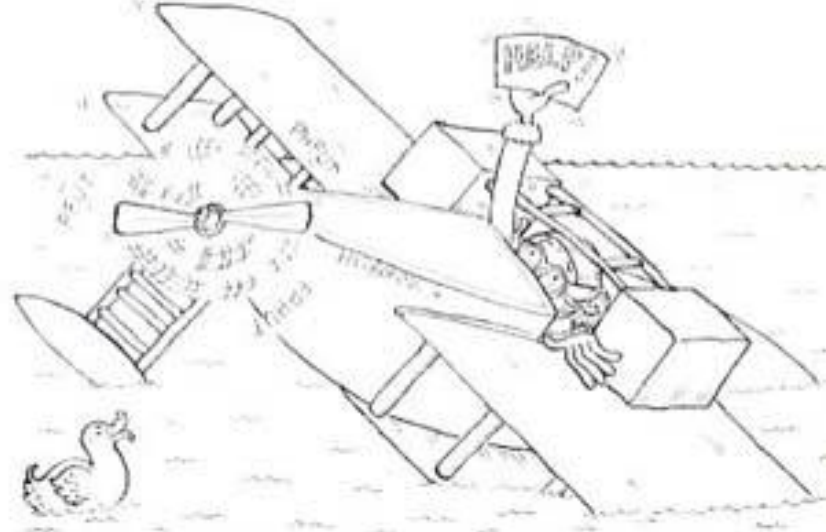
कुछ नरम और रोयेंदार थे.
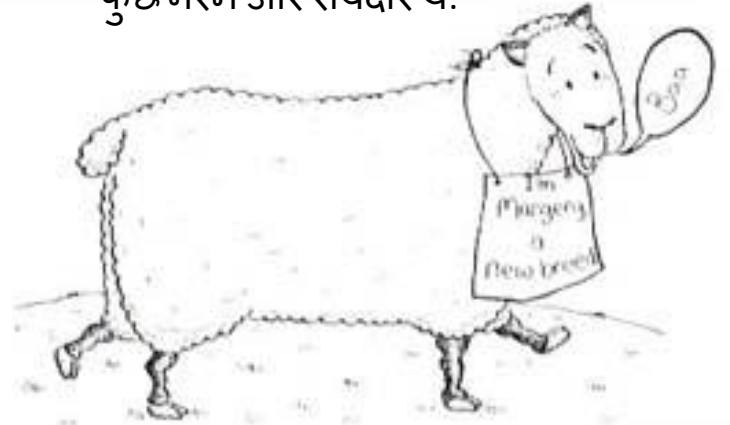
अलेक्जेंडर ने कनाडा में समुद्र के पास एक घर खरीदा. वहां पर उन्होंने अपनी पत्नी माबेल, दोनों बच्चों, एल्सी और मैरियन और अपने पोते-पोतियों के साथ बहुत समय बिताया.

2 अगस्त 1922
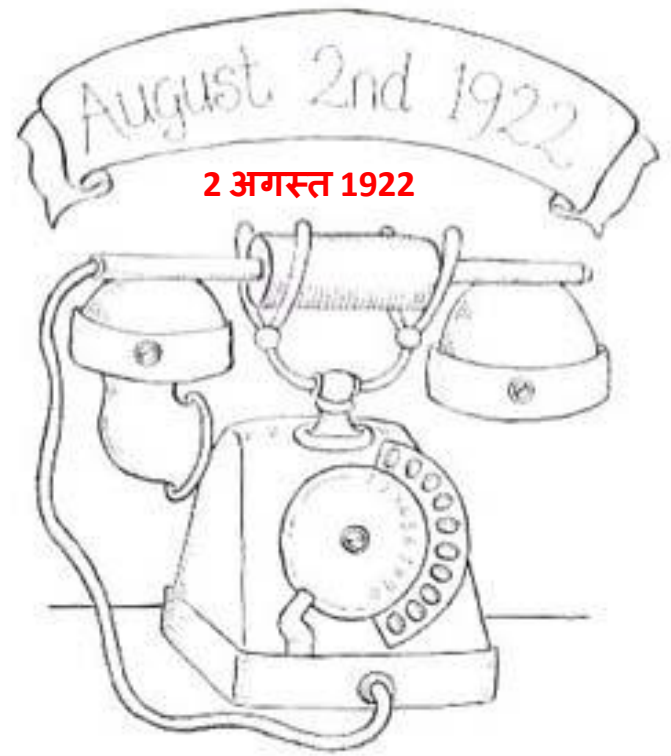
जब वो 75 वर्ष के थे, तब उनका निधन हुआ.

उनके अंतिम संस्कार की शुरुआत में कनाडा और अमेरिका का हरेक टेलीफोन एक मिनट के लिए बंद रहा.

टेलीफोन सामान्य ज्ञान

बेल टेलीफोन कंपनी की स्थापना 1877 में हुई. कंपनी की शुरुआत धीमी थी, क्योंकि पहले साल में केवल सौ टेलीफोन ही बिके. लेकिन उसके उसके बाद कंपनी ने अलेक्जेंडर और उसके साथियों के लिए बहुत पैसा कमाया.

पहला टेलीफोन एक्सचेंज 1878 में अमेरिका के कनेक्टिकट में स्थापित किया गया. अंत में, एक फोन, एक से अधिक फोन्स से बात कर पाया.

अलेक्जेंडर ने 1881 में पहला वायरलेस टेलीफोन भी बनाया.

उन्होंने टेलीफोन को लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित दो नावों के बीच काम करते हुए दिखाया. लेकिन यह विचार वर्षों तक विकसित नहीं हुआ.
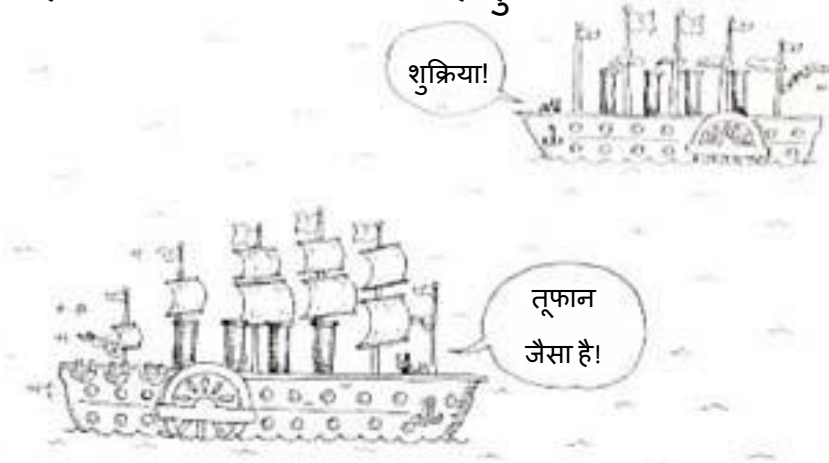
पहली लंबी दूरी की कॉल 1884 में बोस्टन और न्यूयॉर्क, अमरीका के बीच में हुई.

1927 में अलेक्जेंडर की मृत्यु के पांच साल बाद पहला ट्रान्साटलांटिक टेलीफोन लिंक बना.

कुछ महत्वपूर्ण तिथियां

अलेक्जेंडर ग्राहम बेल का जीवनकाल

1844 टेलीग्राम भेजने के लिए अमरीका में पहला सार्वजनिक टेलीग्राफ सिस्टम स्थापित किया गया.

1847 अलेक्जेंडर ग्राहम बेल का जन्म स्कॉटलैंड में हुआ था.

1862 अलेक्जेंडर ने अपने कामकाजी जीवन की शुरुआत एक शिक्षक के रूप में की.

1870 बेल परिवार कनाडा चला गया.

1871 अलेक्जेंडर बधिर-मूक बच्चों को पढ़ाने के लिए बोस्टन, अमरीका चले गए.

1873 अलेक्जेंडर को अमेरिका के बोस्टन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनाया गया.

1875 अलेक्जेंडर ने टेलीफोन के आविष्कार पर काम किया.

1876 अलेक्जेंडर को आधिकारिक तौर पर टेलीफोन का आविष्कारक घोषित किया गया.

1877 बेल टेलीफोन कंपनी की स्थापना हुई.

1877 अलेक्जेंडर ने माबेल हबर्ड से शादी की.

1881 पहला वायरलेस टेलीफोन संदेश भेजा गया.

1887 अलेक्जेंडर ने फोनोग्राफ में सुधार किया, जो अंततः रिकॉर्ड प्लेयर बना.

1908 अलेक्जेंडर, ने हाइड्रोफॉइल पर काम किया.

1922 पिछत्तर वर्ष की आयु में अलेक्जेंडर की मृत्यु हुई.

समाप्त